The Minister of External Affairs (Shri Swaran Singh): I associate myself with the feelings that have been expressed by you, Mr. Speaker, and my colleagues opposite in expressing our sorrow and sense of shock at the sudden demise of a very lovable colleague, Shri Rajendra Singh.

He always played a very active role as a Member of this Parliament. He was a dynamic person with progressive ideas, and although for some years he was no longer in Lok Sabha, most of us had the pleasure of meeting him in the lobbies and in the Central Hall, when we noticed that he continued his interest in public affairs, and we, in fact, were hoping that he would be amongst us after the next general election, but the cruel hand of death has snatched him away, and we are all extremely sorry at this sudden shock.

I myself was greatly grieved to learn of his having been taken ill suddenly, and I was making enquiries. I came to know that he had already expired.

He was a very gentle person, very lovable person, and we have all possible sympathy for his aged father and his aged mother who have been personally shocked by the loss of such a promising young man.

About the other matter that has been raised by Shri Dwivedy and my hon. friend opposite, Shri Bagri, we will certainly look into it, but the preliminary information that we have indicates that the doctors tried to do the best for him. But we will look into the particular aspect that has been mentioned by my friends opposite.

The Members then stood in silence for a short while.

ORAL ANSWERS TO QUESTIONS

Recovery of Missing Persons from Fazilka Sector

+

*1307 **Shri Yashpal Singh:**
Shri Bagri:
Shri Vishram Prasad:
Shri Kishen Pattnayak:
Dr. Ram Manohar Lohia:
Shri Karni Singhji:
Shri Hukam Chand Kachhavaiya:
Shri Bade:
Shri Hem Barua:
Shri Onkar Lal Berwa:
Shri S. L. Verma:
Shri Bhagwat Jha Azad:
Shri S. C. Samanta:
Shri Subodh Hansda:
Shri P. C. Borooah:
Shri M. L. Dwivedi:
Shri Basumatari:

Will the Minister of **External Affairs** be pleased to state:

(a) whether about 6 dozen persons who were found missing from Fazilka Sector have been recovered from Pakistan; and

(b) if not, the steps taken by Government to recover those persons from Pakistan?

The Minister of External Affairs (Shri Swaran Singh): (a) and (b). 117 Indian nationals were reported missing from the Fazilka Sector after the September India-Pakistan hostilities. 116 of them were repatriated on 23rd December, 1965.

The case of the remaining person has been taken up with the Pakistan Government.

श्री यशपाल सिंह: क्या सरकार को यह भी ज्ञान है कि जिस तरह से लेडी डाक्टर को जासूसी के सन्देह में गिरफ्तार कर लिया गया था उसी तरह से कुछ ऐसे लोग भी गिरफ्तार किए गए हैं जिन का सरकार को बोध नहीं है, और उन का क्या हो रहा है?

अध्यक्ष महोदय: उन्होंने बतलाया कि फाजिलका से 117 आदमी लापता थे उनमें से 116 आ गए हैं।

श्री यशपाल सिंह: इसके मुताल्लिक भारत सरकार क्या कर रही है? क्या मामला

है, किस वजह से वह रोके हुए हैं, पाकिस्तान के पास नहीं है या देने से इन्कार करते हैं, या क्या मामला है ?

Shri Swaran Singh: On April 7th, 1966, the Government of Punjab informed us that there was one person still missing from the Fazilka sector. The name of this person is Gurdit Singh. We have taken up his repatriation with the Government of Pakistan who have not yet given any information about him.

Shri Swaran Singh: These persons were 53 men, 28 women and 35 children, eight above twelve years of age, eighteen between three and 12 years and nine children below one year, totalling 116, from Fazilka sector of the Punjab border who were arrested and detained by Pakistan during the India-Pakistan hostilities of September were repatriated on 23 December 1965. This information that I am giving relates specifically to these persons who were arrested, detained and later on repatriated.

श्री बागड़ी : अध्यक्ष महोदय, मैं विदेश मंत्री का ध्यान इस ओर दिलाना चाहता हूं कि 117 जो गुम हुए उन में से 116 पा गए। ये आंकड़े किस आधार पर दिए गए हैं ? विदेश मंत्री को खुद पता है कि जिस वक्त वहां हमला हुआ उस वक्त बहुत से लोग मारे गए थे और कुछ की लाशें नहीं मिलीं थीं। तो ये जो गुम बतलाए गए हैं इन में वे लोग भी शामिल हैं जिनकी लाशें नहीं मिलीं। या उनके आंकड़े को अलग इस्तेमाल कर रहे हैं। इस का क्या हिसाब है ?

श्री स्वर्ण सिंह : जो मर गए है और जिनकी लाशें नहीं मिलीं उनका जिक्र इनमें बजाहिर नहीं हो सकता। मिसिंग की कुल तादाद थी 117 और इनमें से एक नहीं आया है। जो मरे हैं पर जिनकी लाशें नहीं मिलीं वे इनमें शामिल नहीं हो सकते।

श्री बागड़ी : मेरे सवाल को मंत्री महोदय नहीं समझे हैं। मैं समझा दूं। गुम का मतलब तो यह होता है कि जो लोग उन गांवों में थे जब हमला हुआ था और उस वक्त नहीं मिले थे। जिस वक्त हमला हुआ उस वक्त काफी लोग मारे गये थे, जिन में बच्चे भी थे, औरतें भी थी और मर्द भी थे। उस वक्त काफी तादाद में लाशें पाकिस्तानी ले गये थे और लाशें हिन्दुस्तान को नहीं मिली थी। मैं यह जानना चाहता हूं कि विदेश मंत्री महोदय ने किस आधार पर हिसाब लगा कर यह बताया है ?

श्री विश्राम प्रसाद : मंत्री महोदय ने बताया है कि जो आदमी नहीं मिला है उसका नाम गुरदित सिंह है। जिस वक्त कैदियों का आदान प्रदान हिन्दुस्तान और पाकिस्तान के बीच हुआ क्या उस वक्त सरकार को यह नहीं मालूम था कि हमारा एक आदमी अभी नहीं मिला है ? यदि पता था तो उस वक्त क्या कार्यवाही की गयी ? अब आप कर रहे हैं कि आपने लिखा है। मैं जानना चाहता हूं कि उस वक्त क्या कार्यवाही की गई थी ?

श्री स्वर्ण सिंह : उसी वक्त पता था कि 117 आदमी हैं। पाकिस्तान ने जिन को पकड़ा था 116 उनमें से वापिस आ गए है। तहकीकात के बाद ही मैंने आपको इत्तिला दी है कि उसका भी पता लग गया है। उम्मीद है कि यह आदमी भी पाकिस्तान से वापिस आ जाएगा।

डा० राम मनोहर लोहिया : क्या 117 आदमियों से सरकार ने पाकिस्तान में उनके साथ जो बरताव हुआ या पाकिस्तान की हालत के बारे में जो उनको मालूम हुआ या पाकिस्तान की सरकार ने उनके जिस तरह के विचार बदलने के काम किये, पता लगाया है और अगर लगाया है तो क्या खबरें सरकार को मिली है ?

श्री स्वर्ण सिंह : मेरे पास यह इत्तिला नहीं है। अगर पाकिस्तान ने किया हो तो

मेरे पास इस वक्त इसकी इत्तिला नहीं है।

Shri Hem Barua: May I know the number of women out of these 117 persons kidnapped by Pakistan during the Indo-Pakistan conflict and whether these women who had been repatriated have narrated tales of torture by Pakistani authorities on them and, if so, could we have an idea?

Shri Swaran Singh: As I have said already, I have no information about the nature of enquiries that have been made from these persons or about the statements, if any, that these persons and women made in the course of such interrogations.

श्री विश्राम प्रसाद : पंजाब सरकार से यह इनफारमेशन ले कर क्या आप सदन को बतायेंगे ?

श्री ओंकार लाल बेरवा : यह जो आदमी पाकिस्तान ने रखा है, क्या आपने यह जानने की कोशिश की है कि इसको क्यों रखा है, किस लिये रखा है ? यह कोई अफसर था या कोई बड़ा आदमी था ? यदि हां तो क्या इस कारण से रखा है ? क्या आपने इसके बारे में पाकिस्तान से पूछा है, यदि हां, तो पाकिस्तान ने क्या जवाब दिया है ?

श्री स्वर्ण सिंह : यह कोई सरकारी अफसर या किसी तरह का मुलाजिम नहीं था। लेकिन हर हिन्दुस्तानी बड़ा है खवाह वह अफसर हो या गैर अफसर हो। इसका कोई इससे संबंध नहीं है।

श्री ओंकार लाल बेरवा : कोशिश की है पूछने की।

श्री स्वर्ण सिंह : अभी तक उन्होंने जवाब नहीं दिया है।

Shri P. C. Borooah: The purpose of kidnapping civilians, particularly womenfolk obviously with a criminal motive is opposed to the international law and the Hague and Geneva Conventions. May I know whether these matters had been taken up?

Shri Swaran Singh: I would not hazard an opinion upon the legal aspect but if the hon. Member gives me the particular legal aspect that he has mentioned, I will examine it further.

Shri Kapur Singh: Is the hon. Minister aware that both the Punjab government as well as the military authorities have been invariably putting pressure on all these witnesses not to state inconvenient facts to the enquiry body set up by these two agencies and if the government are aware, may I know whether any steps have been taken to do away with this mischief?

Shri Swaran Singh: I will certainly ensure that no pressure is put on any person..... *(Interruptions.)* I am not aware of any such pressure; if the hon. Member had conveyed it to me earlier, I would have ensured that no pressure is put on any of the persons to suppress any real facts.

Shri Kapur Singh: Is he aware that responsible persons have already made allegations that this is being done, that it has been done?

Mr. Speaker: He is not aware.

Shri Swaran Singh: I would request the hon. Member to pass on to me any information that he may have.

Shri Daji: We understand that the Government of India makes no enquiries from the prisoners who come back from Pakistan because of the conditions in which they were kept and all sorts of things that had taken place. Is it left to the State Government to make enquiries, or only in this case the Government of India is lukewarm?

Shri Swaran Singh: The general practice has been that these prisoners who are rapatriated to India and who belong to the security force or the police force are regularly interrogated, and about the civilians also

general enquiries are made. But I do not want to make a guess unless I satisfy myself in this particular case what enquiries if any have been made.

आकाशवाणी के महानिदेशक

+

*1308. **श्री भागवत झा आजाद :**
श्री म० ला० द्विवेदी :
श्री प्र० चं० बरुआ :
श्री स० चं० सामन्त :
श्री सुबोध हंसदा :
श्री हरि विष्णु कामत :
श्री प्रकाशवीर शास्त्री :
श्री हुकम चन्द कछवाय :
श्री जगदेव सिंह सिद्धान्ती :

क्या **सूचना और प्रसारण** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) संघ लोक सेवा आयोग द्वारा प्रतिकूल सलाह दिये जाने के बावजूद भी आकाशवाणी के महानिदेशक अपने पद पर क्यों काम कर रहे हैं ; और

(ख) इस पद पर किसी योग्य व्यक्ति को नियुक्त करने में देरी होने के क्या कारण हैं और नियुक्ति के कब तक किये जाने की संभावना है ?

सूचना और प्रसारण मंत्रालय में उपमंत्री (श्रीमती नन्दिनी सत्पथी) : (क) संघ लोक सेवा आयोग द्वारा नियमित चयन किए जाने तक, वर्तमान महानिदेशक को आयोग की सहमति से इस पद पर रखा जा रहा है।

(ख) संघ लोक सेवा आयोग द्वारा यह पद विज्ञापित किया जा चुका है और जैसे ही चयन हो जायेगा, नियमित नियुक्ति कर दी जाएगी।

श्री भागवत झा आजाद : जब इस महानिदेशक को लोक सेवा आयोग ने नामंजूर कर दिया था तो उसके बाद फिर क्यों इन्हें रखा जा रहा है । मैं इस पर सफाई चाहता हूं ।

सूचना और प्रसारण मंत्री (श्री राज बहादुर) : जहां तक हम लोगों को ज्ञान है इस में कोई सन्देह नहीं है कि इनका चयन नहीं किया गया है। इनको आयोग्य माना गया है इस लिए नहीं बल्कि पब्लिक सर्विस कमीशन की प्रोमोशन कमेटी के जो रिमार्क थे वह यह थे कि ये अपने विषय में निपुण हैं किन्तु एक आध जो एंटरी इनके रिकार्ड में थी उसके बेसिस पर इनका चयन नहीं हुआ था (**इन्टरप्शंज**) मैं पूरा जवाब दे रहा हूं, पूरी जानकारी दे रहा हूं । इसके उपरान्त आवश्यकता इस बात की थी कि इस जगह को खाली न रखा जाये और कमीशन से पूछा गया कि जब तक आप आखिरी चयन नहीं कर लेते हैं इस जगह के लिए उस वक्त तक इनको रखा जाए या न रखा जाए। कमिशन ने इसकी मंजूरी दे दी थी .

Shri Shinkre: Why did you require the advice of the Public Service Commission on this? Why did you not take action thereon?

श्री राज बहादुर : उनको ओफिशिएटिंग कैपैसिटी में उस वक्त तक जब तक कि कोई आखिरी सिलैक्शन नहीं होता है, रखा गया है।

श्री भागवत झा आजाद : जब कि संघ लोक सेवा आयोग ने इनको दो दो बार या एक ही बार नामंजूर कर दिया तो उसके बाद क्या हिन्दुस्तान की सरकार के इतने बड़े-बड़े विभागों में कोई भी योग्य व्यक्ति नहीं था जिस को इस कार्य के लिये रखा जाता ? क्या यह जरूरी हो गया था कि इनको रखने के लिए फिर से लोक सेवा आयोग को रेफेंस किया जाता ? अगर यही बात है तो फिर क्या यह सच बात नहीं है कि इस महानिदेशक के आने के बाद आकाशवाणी में राजनीति का जाल दिनों दिन बढ़ता ही जा रहा है ?